पाठ - 2 हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था (कविता) कार्यपत्रिका

1. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया

1. कविता की रचयिता कौन है ? 1
   (क) नरेश सक्सेना (ख) राजेश जोशी (ग) धर्मवीर भारती (घ) विनोद कुमार शुक्ल
2. कवि ने हताश व्यक्ति के सामने हाथ क्यों बढाया ? 1
   (क) उस व्यक्ति से सहायता माँगने केलिए । (ख) उस व्यक्ति को अपनी असहायता का परिचय देने केलिए ।
   (ग) व्यक्ति उसका परिचित था । (घ) उसकी मुसीबत पहचानकर सहायता करने केलिए ।
3. **' व्यक्ति को न जानना'** और **' हताशा को जानना'** का अर्थ क्या है ? 2
4. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

2. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया

1. **' हाथ बढाना '**- का अर्थ क्या है ? 1
   (क) सहायता करना (ख) हाथ ऊपर उठाना (ग) प्यार करना (घ) हाथ पीछे उठाना
2. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि का कौन-सा मनोभाव प्रकट है ? 1
3. अपरिचित होने पर भी कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की । - इससे क्या संदेश मिलता है ? 2
4. कवि ने रास्ते पर एक अपरिचित व्यक्ति को देखा । वह निराश था । कवि ने उस व्यक्ति के पास जाकर अपना हाथ बढाया ।
   कवि और अपरिचित व्यक्ति के बीच होनेवाले संभावित **वार्तालाप** तैयार करें । 4

3. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया

1. ' व्यक्ति को मैं नहीं जानता था '- इसमें ' **मैं** ' कौन है ? 1
2. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1
   (क) कवि हाथ बढाने लगा । (ख) कवि हाथ बढाने लगे ।
   (ग) कवि हाथ बढाना लगा । (घ) कवि हाथ बढाना लगे ।
3. प्रस्तुत घटना के आधार पर कवि अपनी डायरी लिखते हैं । वह **डायरी** कल्पना करके तैयार करें । 4
4. ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता के आधार पर ' मनुष्य में मानवीय संवेदना होना अनिवार्य है ' विषय पर **टिप्पणी** लिखें । 4
   * जीवन की समय्याएँ * प्यार, सहानुभूति, करुणा * मनुष्यता का अहसास करना * दूसरों की मदद

4. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया

1. कवि के अनुसार हताश व्यक्ति अपनेलिए क्यों अपरिचित नहीं है ? 1
   (क) व्यक्ति की मानसिक स्थिति को वे समझ सकते थे । (ख) वह आदमी उनके शहर में रहनेवाला है ।
   (ग) कवि व्यक्तिगत रूप से उसे जानते हैं । (घ) वह कवि का पुराना दोस्त था ।

2. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

वह मेरी हालत जानता है । उसको मेरी हालत मालूम होगी ।

वे मेरा हाल जानते हैं । ----------।

3. व्यक्ति को जानने के संबंध में कवि के मत पर **टिप्पणी** लिखें । 4

4. प्रस्तुत घटना के आधार पर कवि अपने मित्र के नाम पत्र लिखते हैं । वह **पत्र** कल्पना करके तैयार करें । 4

5.सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

1. कवि ने हाथ बढाया तो उस व्यक्ति ने क्या किया ? 1

2. **व्यक्ति** बैठ रहा था ।

(**व्यक्ति** शब्द के बदले **महिला** शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।) 1

3. ' अंगदान महादान '–इसका संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें । 4

4. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

6. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

1. हताश व्यक्ति ने कवि का हाथ क्यों पकडा ? 1

2. ' मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ '- यहाँ ' वह ' कौन है ? 1

3. कविता की प्रासंगिकता पर **टिप्पणी** लिखें । 4

4. ' रक्तदान महादान है । '- यह संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें । 4

7. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

1. **सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।** 1

(क) कवि और व्यक्ति एक दूसरे को जानते थे । (ख) व्यक्ति कवि को जानता था ।

(ग) कवि व्यक्ति की हताशा को जानते थे । (घ) व्यक्ति कवि की हताशा को जानता था ।

2. ' हम दोनों साथ चले '- कौन-कौन साथ चले ? 1

(क) कवि और नरेश सक्सेना (ख) कवि और हताश व्यक्ति

(ग) नरेश सक्सेना और हताश व्यक्ति (घ) हताश व्यक्ति और बेटा

3.' इसे हमारी मदद की ज़रूरत है ।'- सडक पर घायल पडे व्यक्ति को हम क्या-क्या सहायताएँ कर सकते हैं ? इस पर **टिप्पणी** लिखें । 4

4. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

हताशा से एक व्यक्ति	मेरे हाथ बढाने को जानते थे ।
मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता था	सडक के किनारे बैठा था ।
मुझे वह नहीं जानता था	साथ साथ चलने को जानता था ।
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे	हताशा को जानता था ।

SREEJITH K, KOVOOR VARKALA, SCR145

8. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

1. कवि के मत में व्यक्ति को जानने का मतलब है ? 1
   (क) नाम से जानना (ख) हताशा से जानना (ग) आर्थिक स्थिति को जानना (घ) ओहदे से जानना
2. कवि ने हाथ बढाया तो उस व्यक्ति ने क्या किया ? 1
3. ‘ नेत्रदान महादान ’– यह संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें । 4
4. समाज में हताशा से जीवन बितानेवालों को साथ लेना है । इस विषय पर टिप्पणी लिखें । 4

9. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

1. किसने अपरिचित व्यक्ति की ओर हाथ बढाया ? 1
2. **सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।** 1
   (क) कवि और व्यक्ति एक दूसरे को जानते थे । (ख) व्यक्ति कवि को जानता था ।
   (ग) कवि व्यक्ति की हताशा को जानते थे । (घ) व्यक्ति कवि की हताशा को जानता था ।
3. **आशयवाली पंक्ति चुनकर लिखें ।** 1
   मैंने सहायता की ।
4. कविता का **आस्वादन टिप्पणी** तैयार करें । 4

10. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

“ व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था “ कहते ही वे “ जानने “ की हमारी उस जानी –पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।

1. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1
   मैं उसकी हताशा जानना चाहता हूँ । हम उसकी हताशा जानना ------------------- ।
2. ‘ व्यक्ति को मैं नहीं जानता था ’- इससे कवि क्या कहना चाहते हैं ? 1
3. **‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था’** कविता के आधार पर एक **संदेशात्मक पोस्टर** तैयार करें । 4
4. यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की याद दिलाती है । **मनुष्यता** विषय पर **टिप्पणी** लिखें । 4

11. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

“ व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था “ कहते ही वे “ जानने “ की हमारी उस जानी –पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRIUS

1. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

तुम उसकी हालत जानते हो । तुम्हें उसकी हालत मालूम है ।
तू उसकी हालत जानता है । ------------------------------

2.' मैं उसकी हताशा को जानता था '- इससे कवि क्या कहना चाहते हैं ? 1
3. दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं । यहाँ कवि क्या कहना चाहते हैं ? 2
4.' जीवन में मानवीय मूल्य का महत्व '- विषय पर **लघु लेख** लिखें । 4

* जीवन की समस्याएँ * दूसरों की मदद * परस्पर सहायता करना * त्याग का मनोभाव

12. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते ।

1. कविता किसकी याद दिलाती है ? 1
2. मुसीबत में पडे लोगों को किसकी ज़रूरत है ? 1
3. मनुष्य को जानने केलिए हमें उसकी हताशा को जानना है । इससे आप कहाँ तक सहमत हैं ? 2
4.' सडक पर घायल पडे लोगों की जान बचाना मनुष्यता है । '- यह संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें । 4

13. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते ।

1. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

कवि व्यक्ति की मदद करते हैं । कवि व्यक्ति की मदद करेंगे ।
कवयित्री व्यक्ति की मदद करती हैं । कवयित्री व्यक्ति की मदद -----।

2. कविता में कवि जानने की हमारी किस रूढी को तोड देते हैं ? 1
3. '**जानना**' शब्द की लेखक की व्याख्या से आप कहाँ तक सहमत हैं ? अपना मत प्रकट करते हुए **टिप्पणी** लिखें । 4
4. सडक पर कभी कभी लोग घायल पडते हैं । ' सडक सुरक्षा ' से संबंधित **पोस्टर** तैयार करें । 4

14. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते ।

1. '**जानना**' शब्द की हमारी जानी–पहचानी रूढी क्या है ? 1
2. ' जानना ', ' नहीं जानना ' इन शब्दों की व्याख्या से आप कहाँ तक सहमत हैं ? अपना विचार लिखें । 2
3. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- व्यक्ति की मदद करनी चाहिए । (अपरिचित, घायल)
- सडक पर पडे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।
- ----------------।
- --------------------------- ।

4. ' मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना है '- पाठभाग के आधार पर इस विषय पर **टिप्पणी** लिखें । 4

15. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते ।

1. '**जानने**' की असली आधार क्या है ? 1

(क) नाम से जानना (ख) हताशा से जानना (ग) आर्थिक स्थिति को जानना (घ) ओहदे से जानना

2. ‘ मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना ’– इस प्रयोग से क्या तात्पर्य है ? 1

(क) स्वार्थता का भाव अपनाना । (ख) सहानुभूति का भाव अपनाना ।
(ग) दूसरों की भावनाओं की उपेक्षा करना । (घ) इंसानियत के भाव को छोडना ।

3. ‘ जानना ’ शब्द की लेखक की व्याख्या से आप कहाँ तक सहमत हैं ? 2

4. अंगदान महादान है । ‘ अंगदान का महत्व ’– विषय पर **टिप्पणी** लिखें । 4

* अनमोल देन
* मानव सेवा माधव सेवा
* जीते जी या मरने के बाद दूसरों को नया जीवन
* अंधविश्वास को मिटाकर आगे आना

16. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

“ व्यक्ति को नहीं जानता था, हताशा को जानता था “ कहते ही वे “ जानने “ की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह “ जानने ” की याद दिलाती है ।

1. दो मनुष्यों के बीच जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं । - फिर किसकी ज़रूरत है ? 1
2. किसीको जानने केलिए हमें क्या करना चाहिए ? 1
3. कवि क्या जानता था और क्या नहीं जानता था ? 2
4.‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ कविता का आशय समझकर कोष्ठक से तालिका की पूर्ति करें । 4

(असहायता से जानना, नाम से जानना, हालत से जानना, पद से जानना, निराशा से जानना, जाति से जानना, रंग से जानना, संकट से जानना)

जानने के रूढिग्रस्त आधार	**जानने के असली आधार**

17. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह “ जानने ” की याद दिलाती है ।

1. यहाँ **‘ मदद की ज़रूरत’**– का मतलब क्या है ? 1

(क) सडक के किनारे पर हटना (ख) सांत्वना देकर अस्पताल पहुँचाना
(ग) देखे बिना जाना (घ) मोबाइल में चित्र खींचना

2. सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर हमें क्या करना चाहिए ? 1
3. मान लें, सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल पडा । किसीने उसकी सहायता नहीं की । बहुत समय तक वह सडक पर ही पडा रहा । इस घटना पर एक **रपट** लिखें । 4
4 **. संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

व्यक्ति मुसीबत में है	साथ-साथ चलना जानते थे ।
मनुष्यता का अहसास होना ज़रूरी है	हमारी मदद की ज़रूरत है ।
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था	जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।
हम एक दूसरे को नहीं जानते थे	हताशा को जानता था ।

18. सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह “ जानने ” की याद दिलाती है ।

1. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

कवि व्यक्ति के पास जाते हैं । कवि व्यक्ति के पास जाया करते हैं ।
कवयित्री व्यक्ति के पास जाती हैं । कवयित्री व्यक्ति के पास ---------------।

2. यहाँ जानकारियाँ माने क्या है ? 1
3. घायल पडे व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ? 2
4. आप के स्कूल में **‘अंगदान महादान’** विषय पर एक **संगोष्ठी** आयोजित किया है । इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें । 4

19. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

> सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह " जानने " की याद दिलाती है ।

1. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

 मैं व्यक्ति की मदद करता हूँ । मैं व्यक्ति की मदद करूँगा ।

 तुम व्यक्ति की मदद करते हो । तुम व्यक्ति की मदद -----।

2. कवि की राय में व्यक्ति को कैसे जानना है ? 1

3. कविता का संदेश क्या है ? 2

4. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

सडक पर घायल पडे व्यक्ति को	उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना है ।
मनुष्यता का अहसास होना ज़रूरी है	हमारी मदद की ज़रूरत है ।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	उसकी हताशा, निराशा, असहायता और संकट से जानना है ।
जानने की हमारी परिचित रूढि	जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।

20. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

> कविता के अर्थ इतने सहज और साफ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है । सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं ।
> सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह " जानने " की याद दिलाती है ।

1. यहाँ किसकी कविता के संबंध में कहा गया है ? 1

2. घायल पडे व्यक्ति को किसकी ज़रूरत होती है ? 1

3. कविता की विशेषताएँ क्या-क्या हैं ? 2

4. मनुष्यता एक विशेष गुण है । मनुष्यता के संबंध में **अपने मित्र** को एक **पत्र** लिखें । 4

21. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

> विनोद कुमार शुक्ल अपनी मौलिकता के साथ ही भाषा की अनगढता केलिए विक्यात हैं । कविता के अर्थ इतने सहज और साफ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है । सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं । कविता लगातार " नहीं जानने " और " जानने " का बयान करती जाती है । " वह मुझे नहीं जानता था, हाथ बढाने को जानता था " " हम एक दूसरे को नहीं जानते थे, साथ-साथ चलने को जानते थे " यह " नहीं जानना " और " जानना " कविता में किसी लोकगीत के स्थायी की तरह बार-बार लौटता है ।
> यह कविता ' जानना ' शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को पूरी तरह से बदल देती है । इस कविता की पहली दो पंक्तियों में ही कवि अपनी पूरी बात कह देता है । शेष पंक्तियाँ उसी कहे गए को और सघन, और गहरा करती हैं । कविता का संदेश है कि – दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है – जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।

1. यह कविता जानना शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को पूरी तरह से बदल देती है । जानना शब्द का रूढिग्रस्त अर्थ क्या है ? 1

2. कविता केलिए व्याख्या की ज़रूरत नहीं है । क्यों ? 2

3. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

 - व्यक्ति चलता है । (धीरे-धीरे, अपरिचित)
 - व्यक्ति कवि के साथ चलता है ।
 - ----------------।
 - ---------------------------- ।

4. मान लें, आप के स्कूल में **' मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना ज़रूरी है'** विषय पर एक **संगोष्ठी** आयोजित किया है । इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें । 4

22. सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

विनोद कुमार शुक्ल अपनी मौलिकता के साथ ही भाषा की अनगढता केलिए विख्यात हैं। कविता के अर्थ इतने सहज और साफ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है। सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं। कविता लगातार " नहीं जानने " और " जानने " का बयान करती जाती है। " वह मुझे नहीं जानता था, हाथ बढाने को जानता था " " हम एक दूसरे को नहीं जानते थे, साथ-साथ चलने को जानते थे " यह " नहीं जानना " और " जानना " कविता में किसी लोकगीत के स्थायी की तरह बार-बार लौटता है।

यह कविता ' जानना ' शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को पूरी तरह से बदल देती है। इस कविता की पहली दो पंक्तियों में ही कवि अपनी पूरी बात कह देता है। शेष पंक्तियाँ उसी कहे गए को और सघन, और गहरा करती हैं। कविता का संदेश है कि – दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है – जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं।

1. **' निरंतर '** – इसका समानार्थक शब्द खंड से पहचानकर लिखें। 1

2. कविता के शिल्प पक्ष पर लेखक के निरीक्षण क्या- क्या हैं ? 2

3. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- कवि रूढी को तोड देते हैं। (जानी-पहचानी, जानने की)
- कवि हमारी रूढी को तोड देते हैं।
- ----------।
- ---------- ।

4 . **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

नहीं जानना और जानना	कविता का अर्थ सहज और साफ हैं।
मनुष्यों के बीच जानकारियाँ नहीं	मौलिकता और भाषा की अनगढता केलिए।
कवि विख्यात हैं	मनुष्यता का बोध होना ज़रूरी है।
व्याख्या की आवश्यकता नहीं	लोकगीत के स्थायी की तरह आता है।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145